आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 08 लखनऊ, गुरुवार 28 मई 2026 से 06 जून 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

क्वाड की बैठक में होर्मुज का मुद्दा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को क्वाड देशों की बैठक हुई। भारत के दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस बैठक में शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोसिमुत्सु मोटगी भी शामिल हुए। बैठक के बाद एक साझा बयान भी जारी किया गया। क्वाड की इस बैठक में होर्मुज की खाड़ी का मुद्दा भी उठा। सभी देशों ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में स्वतंत्र आवाजाही का समर्थन किया। बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज की खाड़ी बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए'। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ

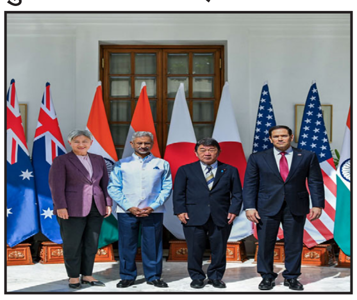

जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में तीन बड़े फैसलों पर चर्चा की गई। क्वाड देशों ने समुद्र से जुड़ी जानकारी साझा करने और निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई है। बंदरगाहों से जुड़ी सुविधाओं के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बनाने पर भी विचार होगा। साथ ही फिजी में नया पोर्ट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स पर मिलकर काम होगा। क्वाड के चारों सदस्य देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के लिए एक साझा फ्रेमवर्क तैयार किया है। भारत और अमेरिका ने भी इस मुद्दे पर अलग समझौता किया है। क्वाड अब इस काम में दूसरे देशों को भी जोड़ने की कोशिश करेगा। इसके साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित रखने के लिए नई पहल शुरू की गई है। इसमें नई तकनीक, बेहतर प्रबंधन, नीतियां, अंतरराष्ट्रीय बाजार की जानकारी और इमरजेंसी अभ्यास जैसी चीजें शामिल होंगी।

चौथी बार बढ़ी सीएनजी की कीमत

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमत में बड़ी बढ़ोतरी के एक दिन बाद एक बार फिर सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने मंगलवार को सीएनजी के दाम में दो रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की। पिछले दो हफ्ते में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी के दाम चौथी बार बढ़े हैं। कुल मिला कर सीएनजी के दाम में छह रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हो गई है। पेट्रोल के दाम में ७.४० रुपए और डीजल में ७.५० रुपए लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। दिल्ली और एनसीआर सहित कई शहरों में सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत ८३.०६ प्रति किलो हो गई है। नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में सीएनजी के लिए ९१.७० रुपए देने होंगे। गुरुग्राम में बढ़ोतरी के बाद सीएनजी की कीमत ८८.१२ प्रति किलो हो गई है। इसके ए दिन

पहले सरकार ने २५ मई को पेट्रोल २.६१ और डीजल २.७१ रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया था। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत १०२.१२ रुपए और डीजल की कीमत ९५.२० रुपए हो गई है।

लखनऊ से भोपाल शिफ्ट होंगे एनडब्ल्यूडीए के दो बड़े दफ्तर, यह है आदेश

लखनऊ। जल शक्ति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने लखनऊ स्थित अपने दो अहम कार्यालयों को भोपाल स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। इस संबंध में एनडब्ल्यूडीए मुख्यालय की ओर से आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के मुताबिक मुख्य अभियंता (उत्तर) कार्यालय और इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (आईडी) कार्यालय अब लखनऊ से भोपाल शिफ्ट किए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक यह फैसला जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग में सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लिया गया। हाल ही में रायपुर में निदेशक (एम एंड ए) के पद पर तैनात नीलम नारोलिया ने १६ मई २०२६ को मुख्य अभियंता लेवल–द्वितीय एवं मुख्य अभियंता (उत्तर) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला था। इसके बाद कार्यालयों के पुनर्स्थापन की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया। एनडब्ल्यूडीए मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में सक्षम प्राधिकारी ने मुख्य अभियंता (उत्तर) नीलम नारोलिया को लखनऊ स्थित कार्यालयों के भोपाल स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया शुरू करने और उसकी निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। आदेश के अनुसार जिन कार्यालयों को भोपाल स्थानांतरित किया जाना है उनमें मुख्य अभियंता (उत्तर), एनडब्ल्यूडीए कार्यालय, लखनऊ तथा इन्वेस्टिगेशन डिवीजन, एनडब्ल्यूडीए, लखनऊ शामिल हैं। जल शक्ति मंत्रालय ने इस पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से ४५ दिनों के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सात दिनों के भीतर विस्तृत एक्शन प्लान एनडब्ल्यूडीए मुख्यालय को सौंपने को कहा गया है। इस कार्ययोजना में कार्यालय स्थानांतरण की टाइमलाइन, संसाधन प्रबंधन, कर्मचारियों की व्यवस्था और ल जिस्टिक प्लानिंग का पूरा खाका शामिल होगा। उप निदेशक (प्रशासन) खुशाल सिंह की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। शिफ्टिंग का काम जल्दी से जल्दी हो इसके लिए जल शक्ति मंत्रालय, महानिदेशक एनडब्ल्यूडीए और केन–बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण, भोपाल सहित संबंधित अधिकारियों को भी आर्डर की क पी भेजी गई है।

लखनऊ में पति ने की पत्नी की हत्या, सुनसान गली में रेत दिया गला

लखनऊ। बाजारखाला थाना क्षेत्र में एक बेहद क्रूर और हैवानियत भरी घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। यहां एक पति ने अपनी २६ साल की पत्नी का गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या के बाद से ही शाहिद चांदनी के साथ रोजाना मारपीट करता था। घरेलू हिंसा का शिकार चांदनी आखिरकार ३ महीने पहले तंग आकर अपने मायके तकिया चांद अलीशा, रामनगर ऐशबाग चली वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। इसके बाद जब पुलिस पहुंची तो चांदनी का शव खून से लथपथ पड़ा

कर दी। सिर्फ इसलिए कि वो उसकी मारपीट से तंग आकर ३ महीने से मायके में रह रही थी। शादीशुदा जिंदगी की खुशियां तो दूर, रिश्ता खून से रंग गया। मामला बाजारखाला थाना क्षेत्र स्थित ऐशबाग के आठ नंबर गेट की गली का है। मृतका चांदनी की ७ साल पहले मोहम्मद शाहिद से शादी हुई थी। दोनों के एक ४ साल का बेटा भी है। लेकिन शादी गई थी। वहीं बुधवार दोपहर जब चांदनी पड़ोस में रहने वाली भाभी जो कि एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं उन्हें देखने अस्पताल स्कूटी से जा रही थी। इसी दौरान आरोपी शाहिद ने फोन करके चांदनी को मिलने के बहाना बुलाया और फिर उसे ऐशबाग आठ नंबर गेट की गली में सुनसान जगह पर ले गया। जहां उसने चाकू से चांदनी का गला रेत दिया और हत्या की मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी मोहम्मद शाहिद सब्जी का ठेला लगाकर गुजारा करता है। पुलिस की टीम अब उसकी तलाश में जुट गई है। परिवार और इलाके में शोक का माहौल है। चांदनी के परिजनों का आरोप है कि शाहिद पहले भी कई बार मारपीट कर चुका था।

सम्पादकीय

अविश्वास के लिए जिम्मेदार कौन?

ऑन–स्क्रीन मार्किंग सिस्टम की गड़बड़ियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की १२वीं की परीक्षा के रिजल्ट को संदेह के दायरे में ला खड़ा किया है। अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने की अर्जी देने वाले कम–से–कम १२ छात्र इस सिस्टम में गंभीर गड़बड़ियों का इल्जाम लगा चुके हैं। एक छात्र ने तो यहां तक बताया है कि उसे भौतिक–शास्त्र की जो उत्तर पुस्तिका दिखाई गई, हैंडराइटिंग से साफ है कि वह उसकी नहीं थी। कई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन्ड कॉपी साफ नहीं दिखी। खुद सीबीएसई के आंकड़ों के मुताबिक ६८ हजार उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा स्कैनिंग करनी पड़ी। मजबूरी में लगभग १३,५०० उत्तर पुस्तिकाओं की ऑफलाइन जांच करानी पड़ी। नए सिस्टम के तहत उत्तर पुस्तिकाओं की हार्ड क पी की जगह उनकी स्कैन्ड कॉपी की ऑन–स्क्रीन जांच का चलन शुरू किया गया है। सीबीएसई का वादा था कि इससे उत्तर पुस्तिकाओं की जांच तेजी और पारदर्शी तरीके से होगी। मगर शिक्षक संगठनों ने फरवरी में ही चेता दिया था कि बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक हैं, जिन्हें नए सिस्टम के उपयोग की अपेक्षित ट्रेनिंग नहीं दी गई है। फिर करोड़ों पन्नों की स्कैनिंग और उनकी ऑन–स्क्रीन जांच के सिस्टम का पर्याप्त परीक्षण भी नहीं हुआ है। लेकिन सीबीएसई अपनी जिद पर अड़ा रहा। जब रिजल्ट आया, तो पिछले साल की तुलना में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या में तीन प्रतिशत की गिरावट आई। नतीजतन, उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की अर्जियां दाखिल होने लगीं, जिससे गड़बड़ियों का खुलासा हुआ। अब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी मद्रास और कानपुर के विशेषज्ञों से सिस्टम का परीक्षण कराने का एलान किया है। लेकिन मुद्दा यह है कि इस वर्ष मची अफरातफरी और परीक्षा व्यवस्था को लेकर बने अविश्वास के लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार ने सिस्टम लागू करने के पहले यह सुनिश्चित क्यों नहीं किया कि वह दोषमुक्त है? नीट पेपर लीक प्रकरण में पहले से सवालों से घिरे प्रधान के लिए क्या यह उचित नहीं होगा कि इन गड़बड़ियों की जवाबदेही वे स्वीकार करें? ऐसा नहीं हुआ, तो शिक्षा व्यवस्था को लेकर गहरा रहे अविश्वास को दूर करना और कठिन हो जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को गुणवत्ता और आधुनिक तकनीक से जोड़ें: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों की समीक्षा करते हुए साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का लाभ सीधे आम आदमी को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, जांच, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होनी चाहिए। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और प्रभावी प्रबंधन से सशक्त बनाया जाए। सीएम योगी ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थान बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रदेश को प्रशिक्षित चिकित्सक, विशेषज्ञ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध कराना है। उन्होंने मेडिकल संस्थानों में आधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ फैकल्टी और रिसर्च गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में १०८ जनपदीय चिकित्सालय, १०६ विशिष्ट चिकित्सालय, ६७६ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ३७५७ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा २७,६६८ स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित हैं। वर्ष २०२५–२६ में सरकारी अस्पतालों में २६.४१ करोड़ ओपीडी सेवाएं और १.२३ करोड़ आईपीडी सेवाएं दी गईं, जबकि २४.३३ करोड़ पैथोल जी जांच की गईं। वर्ष २०१६–१७ की तुलना में सत्र २०२५–२६ तक प्रदेश में मेडिकल क लेजों की संख्या ४४ से बढ़कर ८३ हो गई है, जो ८८.६ प्रतिशत की वृद्धि है। विगत १० वर्षों में

पीजी सीटों की संख्या १३४४ से बढ़कर ५०६७ हो गई है, जबकि एमबीबीएस सीटें ५३६० से बढ़कर १२८०० तक पहुंच गई हैं। सुपर स्पेशियलिटी सीटों में भी लगभग १६५ प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। नर्सिंग शिक्षा के विस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में ६५२ नर्सिंग संस्थान संचालित हैं। एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और अन्य पाठ्यक्रमों की सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा राज्य में लगभग ३.६५ लाख पंजीकृत नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध हैं। 'मिशन निरामया १.०' के तहत नर्सिंग शिक्षा में हुए सुधारों की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि १७ हजार स्कूलों में परामर्श सत्र आयोजित किए गए तथा ३.५ लाख से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई गई। १०,५७० नर्सिंग संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों का सबसे बड़ा सहारा बन रही है। उन्होंने क्लेम दावों का तय समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि अस्पतालों को समय पर भुगतान होता रहेगा तो मरीजों को बेहतर सुविधा मिलती रहेगी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में ६,४८० अस्पताल योजना से जुड़े हैं और अब तक ६६.७५ लाख से अधिक निशुल्क उपचार किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना में आयुष पद्धतियों को भी शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों की आईपीडी सेवाओं को भी योजना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत कोविड कालखंड में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का प्राथमिकता के आधार पर यथोचित समायोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि आशा वर्करों का भुगतान किसी भी स्थिति में लंबित न रहे। साथ ही, हेल्थ एटीएम सेवाओं का विस्तार करते हुए उन्हें अधिक से अधिक क्षेत्रों तक पहुंचाया जाए। सीएम योगी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि जनजागरूकता, स्वच्छता और समयबद्ध उपचार व्यवस्था के माध्यम से बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में और कमी लाने के लिए संस्थागत एवं सुरक्षित प्रसव व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर गर्भवती महिला तक समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत १५.२८ करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। प्रदेश में १५.१४ करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड लिंक किए गए हैं। हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन सिस्टम और लैब इंफॉर्मेशन सिस्टम का दायरा भी तेजी से बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि मेडिकल संस्थानों को रिसर्च आधारित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाए। बैठक में बताया गया कि 'यूपी–आईएमआरएएस' डिजिटल पहल, मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट, क्लिनिकल ट्रायल यूनिट तथा मेडटेक कार्यक्रमों पर कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा अनुसंधान और मेडटेक क्षेत्र में लगभग १५०० करोड़ रुपए निवेश के लिए इंटेंट फाइल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मेडिकल क लेजों और स्वास्थ्य संस्थानों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा में पूर्ण हों, ताकि आमजन को जल्द बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में आगामी महीनों में प्रस्तावित महत्वपूर्ण लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यों की भी समीक्षा की गई। इनमें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज का बहुमंजिला गर्ल्स हॉस्टल, अयोध्या मेडिकल कॉलेज का ११० बेड ट्रॉमा सेंटर, सहारनपुर मेडिकल कॉलेज का बीएससी नर्सिंग कॉलेज तथा कानपुर मेडिकल कॉलेज में मानसिक रोग विभाग विस्तार एवं डी–एडिक्शन वार्ड ब्लॉक शामिल हैं।

गन्ना सिंचाई करने गए किसान की लाठी–डंडों से पीटकर हत्या, गांव के लोगों पर हत्या का आरोप

गोंडा। देहात कोतवाली क्षेत्र में गन्ना सिंचाई को लेकर हुए विवाद में एक किसान की पिटाई के बाद मौत हो गई। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने किसान को लाठी–डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और पुल के नीचे फेंककर फरार हो गए। इलाज के दौरान लखनऊ में किसान ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। देहात कोतवाली क्षेत्र के सालपुर सेमरा गांव निवासी बाल गोविंद (४३) रविवार शाम अपने खेत में गन्ने की सिंचाई करने गए थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि हमलावरों ने बाल गोविंद को लाठी–डंडों से बेरहमी से पीटा और घायल अवस्था में खेत के पास पुल के नीचे छोड़कर फरार हो गए। मजदूरी कर लौटे बेटे सुनील कुमार ने पिता को पुल के नीचे गंभीर हालत में पड़ा देखा। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल मेडिकल क लेज ले गए। हालत नाजुक होने पर ड क्टरों ने सोमवार को उन्हें लखनऊ के लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजन शव लेकर गांव पहुंचे। सूचना पर देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की

पत्नी फुलेसरा ने गांव के ही कल्लू, विजय कुमार और शनि पर पति की पिटाई कर खेत में फेंकने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। घटना के बाद परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया है। देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले में सालपुर चौकी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मृतक किसान के परिजनों ने चौकी पुलिस पर समय से कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना कि घटना वाले दिन ही पुलिस को सूचना दी गयी थी। चौकी के दो सिपाही जिला अस्पताल तक गए। वहां घायल बाल गोविंद का बयान भी रिक र्ड किया लेकर घटना की रिपोर्ट नहीं लिखी। बुधवार की सुबह जब लखनऊ में बाल गोविंद की मौत हो गयी और परिवार के लोग शव लेकर गांव पहुंचे तब भी चौकी पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजने के बजाय मामले को सुलह समझौता कराने में जुटी रही। पुलिस की इस कार्यशाली से मृतक का शव उसके दरवाजे पर १०, बडे तक रखा रहा। बाद में घटना की जानकारी बड़े अधिकारियों को मिली तब जाकर पुलिस ने शव का पंचनामा भरा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा।।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, CCTV में कैद हुई वारदात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने प्र पर्टी डीलर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की और पिस्टल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल प्रॉपर्टी डीलर को तुरंत अपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वारदात बुधवार दोपहर पीजीआई थाना क्षेत्र के कल्ली पश्चिम इलाके की है। मूल रूप से रहने वाले संदीप सिंह अपने परिवार के साथ कालिंदी पार्क के पास रहते थे। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। कल्ली पश्चिम बाजार के यादव मार्केट में संदीप सिंह का ऑफिस है। बुधवार दोपहर करीब १२ : ३० बजे संदीप कार से अपने ऑफिस पहुंचे थे। जैसे ही संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे। तभी अपाचे बाइक सवार २ नकाबपोश बदमाश मौके पर पहुंचे। इसके बाद एक बदमाश ने बाइक से उतारकर संदीप पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। जबकि बदमाश तमंचा लहराते हुए बाइक पर अपने साथी

संग फरार हो गया। वहीं आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और घायल संदीप को अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान संदीप सिंह की मौत हो गई। मृतक संदीप सिंह के परिवार में उनकी पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं। संदीप की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर के अ फिस में मौजूद स्टाफ से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक गोली मारने वाले आरोपी पेशेवर अपराधी हैं। फिलहाल, पुलिस CCTV के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश बताई जा रही है। हालांकि पुलिस कई ऐंगल पर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक संदीप सिंह ने करीब डेढ़ साल पहले कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव कॉम्प्लेक्स में PSS बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ऑफिस खोला था। ऑफिस में पांच कर्मचारी काम करते हैं। वर्तमान में उनकी तीन साइटें चल रही हैं। एक मोहनलालगंज इलाके के डॉन बॉस्को स्कूल के पास, दूसरी मोहनलालगंज तहसील के पास और तीसरी कानपुर रोड पर अमौसी रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित है। स्टाफ का कहना है कि संदीप सिंह बेहद मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

लखनऊ में दहेज उत्पीड़न की भेट चढ़ गयी विवाहिता, शादी के 6 महीने बाद मौत

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता का शव कथित तौर पर अपने घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना सोमवार को हुई। मृतका की पहचान श्वेता सिंह (२६) के रूप में हुई है। श्वेता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने श्वेता सिंह के पति भूपेंद्र प्रताप सिंह उर्फ घ्ष्शुभम सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महिला के ससुर, सास, देवर और ननद के खिलाफ भी बीएनएस की धारा ८० (दहेज हत्या), ८५ (पति या पति के रिश्तेदार द्वारा महिला पर क्रूरता करना) और दहेज निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। ठाकुरगंज थाने के प्रभारी ओमवीर सिंह चौहान ने श्पीटीआई–भाषाश् को बताया कि श्वेता ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके ससुराल वाले उसे अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। यहां जारी एक बयान में पुलिस ने कहा, ष२५ मई को ठाकुरगंज पुलिस थाना में शिकायतकर्ता उमेश कुमार सिंह (ठाकुरगंज पुलिस थाना क्षेत्र के निवासी) ने लिखित शिकायत दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी बेटी श्वेता सिंह (२६) उर्फ घ्ष्बौआश का विवाह २२ नवंबर, २०२५ को लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र के काशी विहार निवासी भूपेंद्र प्रताप सिंह उर्फ श्शुभम सिंहश से हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद उनकी बेटी का उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए उत्पीड़न किया, विशेष रूप से चार पहिया वाहन की मांग को लेकर। २५ मई को उन्हें पता चला कि उनकी बेटी ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने बताया, षशिकायतकर्ता ने पति, सास, ससुर, देवर और ननद पर अपनी बेटी की हत्या करने और बाद में उसके शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है।' उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया, ष्पतक के पति और ससुर को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि उसकी बेटी के ससुराल वाले कम दहेज देने को लेकर हमेशा ताने मारते थे।

वाहन टक्कर से टैंपो में बैठी गर्भवती महिला की मौत

गोंडा। देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट के पास मंगलवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक गर्भवती महिला समेत चार लोग घायल हो गए। हादसा रात करीब ६ बजे टेम्पो और अज्ञात वाहन की आमने–सामने की टक्कर में हुआ। जानकारी के अनुसार, कुंवरपुर अमरहा के सिकिहा गांव निवासी अर्जुन अपनी पत्नी सविता को डिलीवरी के लिए जिला महिला अस्पताल लेकर गए थे। उनके साथ गांव की मीरा देवी पत्नी रामगोपाल और आशा बहू पुष्पा सिंह भी मौजूद थीं। अस्पताल से वापस लौटते समय बालपुर जाट के पास उनका टेम्पो हादसे का शिकार हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो में सवार गर्भवती सविता, अर्जुन, मीरा देवी व परसा महेशी के रहने वाले देवी दयाल तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मीरा का दाहिना हाथ पूरी तरह कट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद अर्जुन व सविता को छुट्टी दे दी गयी जबकि मीरा देवी की हालत नाजुक होने पर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने टेंपो चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सपा कार्यालय के बाहर राजभर समाज का लगा विवादित पोस्टर, मचा सियासी घमासान

लखनऊ। यूपी की राजनीति में इन दिनों जातिगत मुद्दों पर होने लगी है। बता दें कि अब समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें ये आंकड़े बताए गए हैं कि साल २०२४–२०२६ के बीच भाजपा के शासनकाल में राजभर समुदाय के लोगों की कितनी हत्याएं हुई हैं। सपा राष्ट्रीय अध्‍यक्ष अखिलेश यादव की विवादित होर्डिंग लगाने से पोस्टर वार छिड़ गयां है। बता दें कि होर्डिंग्स में भाजपा के शासनकाल में साल २०२४–२०२६ के बीच राजभर समुदाय के लोगों की कितनी हत्याएं हुई हैं इसका जिक्र किया गया है। इसमें दिखाया गया है कि राजभर समाज में अनगिनत लोग भाजपा सरकार में अपराध, पुलिसिया अत्याचार और फर्जी एनकाउंटर का शिकार हुआ है। ये सरकार जो कुछ एक वर्गों

जातियों का प्रतिनिधित्व कर रही है लेकिन वोट सबका लेकर सिर्फ च्व। पर अत्याचार कर रही है। इतना नहीं पिछड़े दलित समाज के अनगिनत लोग इस भाजपा सरकार में जान से मार डाले गए हैं।

युवक पर काल बनकर गिरी मलबे की बोरी, लखनऊ में ऑटोमोबाइल शोरूम कर्मचारी की मौत

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना इलाके में एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल से मलबे से भरी बोरी गिरने से एक राहगीर की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार को चिनहट थाना क्षेत्र के नौबस्ता कला स्थित वसुंधरा विहार इलाके में हुई। नौबस्ता कला निवासी विशाल तिवारी के घर में निर्माण कार्य चल रहा था। सुबह काम के दौरान दूसरी मंजिल से बिना नीचे देखे मलबे से भरी बोरी सड़क पर फेंक दी गई। बोरी राहगीर अनूप कुमार सिंह (३६) पर गिरी। अनूप मूल रूप से देवरिया जिले के कुंडौली के रहने वाले थे और फिलहाल लखनऊ में रहकर एक ऑटोमोबाइल शोरूम में काम करते थे। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। इलाज के दौरान मृत घोषित क लोनी के लोगों ने घायल अनूप को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्वेद संस्थान पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है और वे अस्पताल पहुंच गए हैं। निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। शव को कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, पैर में गोली लगने के बाद दबोचे गए

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के देवा थाना क्षेत्र के ग्वारी गांव में किराना व्यापारी आलोक जायसवाल के घर हुई लाखों रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने बुधवार भोर मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश पुलिस घेराबंदी के दौरान फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास कर रहे थे। अपर पुलिस अध्‍ीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया

कि बदमाशों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिलने पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली दो बदमाशों के पैर में लगी, जिसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बहराइच के केसरगंज निवासी जसीम और बाराबंकी के घुंघटेर क्षेत्र निवासी सफी के रूप में हुई है। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पांच बदमाशों ने मिलकर व्यापारी के घर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद से पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस के अनुसार फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

जनसंख्या संरचना में बदलाव के लिए जांच कमेटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बड़ी पहल की है। सरकार ने कहा है कि देश के कई हिस्सों में जनसंख्या संरचना में असामान्य बदलाव हुए हैं और इसलिए इसकी जांच जरूरी है। सरकार ने जनसंख्या में हो रहे असामान्य

बदलाव का अध्ययन करने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। गौरतलब है कि पिछले साल लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस तरह की एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'यह कमिटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य बदलाव के पैटर्न की स्टडी करके समाधान भी पेश करेगी'। शाह ने सोशल मीडिया में लिखा, 'घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसंख्या बदलाव किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १५ अगस्त २०२५ को हाई लेवल कमिटी की घोषणा की थी। कमिटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या बदलाव का कारण जानेगी'। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का विश्लेषण करने के बाद यह कमेटी समाधान भी पेश करेगी। इस कमेटी में देश के जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण, पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि शामिल हैं। गृह मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई की जांच शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को पूर्व अभिनेत्री–म डल ट्विशा शर्मा की कथित आत्महत्या और दहेज उत्पीड़न मामले में अपनी जांच शुरू कर दी। सीबीआई ने यह कदम मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से औपचारिक रूप से जांच का जिम्मा संभालने के एक दिन बाद उठाया है। सीबीआई की एक टीम ने सुबह भोपाल में ट्विशा शर्मा के ससुराल का दौरा किया, जहां १२ मई को वह फंदे से लटकी हुई मिली थीं। अधिकारियों ने घर का मुआयना किया, घटनास्थल की जांच की और मामले से जुड़े सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया। केंद्रीय एजेंसी ने सोमवार देर रात ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी सास, पूर्व जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। राज्य पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद सीबीआई ने एफआईआर को फिर से दर्ज किया। एजेंसी की स्पेशल क्राइम यूनिट सोमवार को भोपाल पहुंची थी, ताकि जांच की कमान संभाली जा सके और पिछली एसआईटी जांच के दौरान इकट्ठा किए गए दस्तावेज, फोरेंसिक रिपोर्ट और सबूत इकट्ठा किए जा सकें। ट्विशा शर्मा की मौत ने लोगों का काफी ध्यान खींचा है। उनके परिवार ने आरोप लगाया है कि ट्विशा के पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे परेशान किया था। शुरुआती पोस्टम र्टम रिपोर्ट और आरोपी के परिवार के बयानों से यह आत्महत्या लग रही थी, लेकिन ट्विशा के परिवार ने लगातार किसी साजिश की आशंका जताई और सीबीआई

जांच की मांग की थी। सीबीआई को मामला सौंपे जाने से पहले, एसआईटी ने सोमवार को समर्थ सिंह से तीन घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने अपनी जांच के तहत घर पर क्राइम सीन रीक्रिएट किया था। पूछताछ के दौरान, समर्थ ने जांचकर्ताओं को बताया कि गर्भवती होने और बाद में गर्भपात करवाने के बाद ट्विशा का व्यवहार बदल गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्होंने वही बातें दोहराईं, जो उन्होंने पहले की पूछताछ के दौरान कही थीं।

अमेरिका को सबसे पहले पाक ने दिया जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से इजराइल के साथ दोस्ती करने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी। इसके लिए ट्रंप ने सभी देशों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल की थी। इसका सबसे पहले जवाब पाकिस्तान ने दिया है। उसने कहा है कि वह किसी कीमत पर इजराइल को देश नहीं मानेगा। उसने इजराइल से दोस्ती करने और उसे देश की मान्यता देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से समझौता नहीं कर सकता। आसिफ ने कहा, 'हम उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं, जिनकी बात

पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता'। गौरतलब है कि पाकिस्तान दुनिया का शायद एकमात्र देश है, जिसके पासपोर्ट पर लिखा होता है कि यह इजराइल के लिए मान्य नहीं है। इससे पाकिस्तान का रुख पूरी तरह साफ है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। गौरतलब है कि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से इजराइल से रिश्ते सुधारने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी। पाकिस्तान से भी कहा गया था कि अगर वह अमेरिका और ईरान शांति प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे इजराइल को मान्यता देनी होगी। हालांकि ट्रंप को पता है कि पाकिस्तान के लिए अब्राहम समझौते में शामिल होने का मामला संवेदनशील है और राजनीतिक रूप से मुश्किल है।

सिद्धारमैया सीएम बने रहेंगे

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी बदलाव नहीं करने जा रही है। मंगलवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की पार्टी आलाकमान के साथ बैठक के बाद बताया गया है कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे। कांग्रेस की ओर से बताया गया कि मुख्यमंत्री को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। पार्टी ने बताया कि राज्य में होने वाले राज्यसभा चुनाव, ग्रेटर बेंगलुरु नगर निगम चुनाव और विधान परिषद चुनाव के साथ साथ संगठन को लेकर चर्चा हुई। सिद्धारमैया और शिवकुमार को दिल्ली बुलाए जाने के बाद से इस पर चर्चा हो रही थी कि मुख्यमंत्री पद पर फैसला हो सकता है। हालांकि कांग्रेस ने सारी अटकलों को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि कर्नाटक में ढाई साल के बाद सत्ता बदलने के कथित समझौते की वजह से शिवकुमार समर्थक पिछले साल से ही मुख्यमंत्री बदलने की मांग कर रहे हैं। लेकिन अब एक तरह से इस पर विराम लग गया है। मंगलवार की बैठक में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन

खरगे के साथ बैठक हुई। बैठक के बाद कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि यह मीटिंग सिर्फ राज्यसभा चुनाव पर चर्चा के लिए हुई। मीडिया से बात करते हुए वेणुगोपाल और सुरजेवाला ने कर्नाटक मंत्रिमंडल में बदलाव पर एक शब्द भी नहीं बोला। केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'आज राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ विस्तृत चर्चा हुई। राज्यसभा और एमएलसी चुनाव पर चर्चा हुई। बाकी अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है'। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कैबिनेट विस्तार का एजेंडा चर्चा में नहीं आया। इसके बाद वे बेंगलुरु रवाना हो गए हैं। इससे पहले कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में हुई बैठक की जानकारी देते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'आज हमारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ एक विस्तृत बैठक हुई। इस चर्चा में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कर्नाटक के प्रभारी महासचिव और मैं खुद शामिल थे। आज की पूरी चर्चा केवल आगामी राज्यसभा चुनावों और कर्नाटक के विधान परिषद चुनावों पर केंद्रित थी'।

आईआरजीसी का दावा, 'मार गिराया अमेरिका का एमक्यू–९ रीपर ड्रोन'

ईरान की ओर से दावा किया गया है कि उसकी सेना ने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। मंगलवार सुबह अमेरिका ने अस्थाई संघर्ष विराम के बीच ही होर्मुज स्ट्रेट पर कुछ बोट्स को निशाना बना कर हमला किया था। इसमें कथित तौर पर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के चार सैनिक मारे गए। मेहर न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि उसने अमेरिकी एमक्यू–९ रीपर ड्रोन को मार गिराया। उनके मुताबिक यह ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका सीजफायर का उल्लंघन करता है, तो उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है। यह घटना ऐसे समय हुई जब अमेरिका ने कहा था कि उसने अपनी सुरक्षा के लिए ईरान में मिसाइल ल न्च साइट्स पर कार्रवाई की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक

यह कार्रवाई सेल्फ–डिफेंस (आत्मरक्षा) में की गई। सेंटकाम के प्रवक्ता टिमोथी ह किन्स ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों और युद्धपोतों को खतरे से बचाने के लिए ये हमले किए गए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास कथित तौर पर बारूदी सुरंग बिछा रही बोट्स को निशाना बनाया। इसके अलावा बंदर अब्बास पोर्ट के पास सरफेस टू एयर मिसाइल साइट पर भी हमला किया। ईरान की विभिन्न समाचार एजेंसियों के अनुसार दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास में अमेरिकी हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के ४ जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है। हमले के बाद ईरान की सेना ने कहा कि अगर उस पर फिर हमला हुआ, तो वह पहले से ज्यादा बड़ा और कड़ा जवाब देगा। सेना के प्रवक्ता अबोलफजल शेखरची ने कहा कि अगली बार ईरान की कार्रवाई सिर्फ इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी। अगर फिर युद्ध जैसी स्थिति बनी, तो जवाब पहले से ज्यादा बड़ा और हिंसक होगा।

'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम–२' लॉन्च करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को बीकानेर के पास भारत–पाकिस्तान सीमा क्षेत्र से 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम–२' का शुभारंभ करेंगे। यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पहल के तहत, राजस्थान के सीमावर्ती जिले, जिनमें बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और श्री गंगानगर के १८४ गांवों को सड़क संपर्क, ४जी मोबाइल नेटवर्क, बिजली और टेलीविजन की पहुंच के मामले में प्राथमिकता के आधार पर विकास सुविधाएं मिलेंगी। गृह मंत्री अमित शाह भारत–पाकिस्तान सीमा के पास सांचू स्थित बीएसएफ की सीमा चौकी का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान वे बीएसएफ कर्मियों से बातचीत करेंगे और सुरक्षा बलों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। दोपहर दो बजे वे बीकानेर में एक उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में गृह मंत्रालय, राजस्थान सरकार, बीएसएफ के अधिकारी और पांच सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री सोमवार देर रात बीकानेर पहुंचे। उनकी यह दो दिवसीय

यात्रा सीमा सुरक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित है। गृह मंत्री अमित शाह रात करीब १०:३० बजे एक विशेष विमान से नल एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उनका स्वागत किया। आगमन के बाद गृह मंत्री सीधे बीएसएफ कैंप के लिए रवाना हो गए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी और न्यूनतम प्रोटोकॉल पर दिए गए जोर को दर्शाता है क्योंकि इस दौरान वीवीआईपी काफिला अपेक्षोंत सीमित था। मंगलवार को अमित शाह बीकानेर के पास भारत–पाकिस्तान सीमा क्षेत्र से 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम–२' लॉन्च करने वाले हैं। इस पहल का मकसद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान में १८४ सीमावर्ती गांवों को विकास के लिए चुना गया है। ये गांव बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और श्रीगंगानगर जिलों में स्थित हैं। यह योजना इन दूरदराज के इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी, ४जी मोबाइल नेटवर्क, बिजली की उपलब्धता और टेलीविजन कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देगी। लॉन्च के बाद गृह मंत्री अमित शाह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सांचू सीमा चौकी का दौरा करेंगे, जहां वे बीएसएफ और सुरक्षा कर्मियों के साथ बातचीत करेंगे। इस दौरान वे सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी करेंगे और एक व चटावर से भारत–पाकिस्तान सीमा का मुआयना करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय सीमा इस पोस्ट से पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। १९६५ और १९७१ के भारत–पाकिस्तान युद्धों में अपनी भूमिका के कारण सांचू सीमा चौकी का ऐतिहासिक महत्व है। १९६५ के संघर्ष में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी कब्जे से इस चौकी पर पुनः नियंत्रण प्राप्त कर लिया था। इस स्थल पर स्थित एक संग्रहालय में सेना की शौर्य गाथाओं और सीमा रक्षा अभियानों के इतिहास को संरक्षित किया गया है। गृह मंत्री का स्वागत करने के लिए नल हवाई अड्डे पर भाजपा के कई नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इनमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर, प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल थे। व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। गृह मंत्री की इस यात्रा को सीमा सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर केंद्र के निरंतर जोर, दोनों ही दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बकरीद को लेकर कल बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, सुबह ६ बजे नमाज अदा करने से समाप्ति तक डायवर्जन

लखनऊ। ईद–उल–अजहा (बकरीद) गुरुवार को मनाया जाएगा। इस अवसर राजधानी के सभी मस्जिदों पर नमाज अदा की जाएगी। नमाज सुबह ६ बजे से शुरू होगी। इसे देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी डीसीपी यातायात रवीना त्यागी ने मंगलवार देर शाम को दी। उन्होंने बताया कि डायवर्जन सुबह ६ बजे से शुरू होकर नमाज समाप्ति तक लागू रहेगा। इस दौरान इमरजेंसी की स्थिति में ट्रैफिक कन्ट्रोल नंम्बर–६४५४४०५१५५ पर संपर्क किया जा सकता है। ऐशबाग ईदगाह में ईद–उल–अजहा (बकरीद) की तैयारियां मुकम्मल हो गई हैं। नमाज की तैयारियों के संबंध में ईदगाह कमेटी और इस्लामिक सेंटर अ फ इंडिया के सदस्यों की बैठक हुई। इसमें ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी ने शहर के मुसलमानों से ईदगाह में बकरीद की नमाज पढ़ने की अपील की। ईदगाह में सुबह १० बजे से बकरीद की नमाज होगी। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि नमाज के बाद खुतबा सुनना वाजिब है। चाहे खुतबे की आवाज सुनाई दे या ने दे। खुतबा खत्म होने तक खामोशी के साथ बैठे रहना चाहिए। मौलाना ने बताया कि इस साल भी महिलाओं के लिए ईदगाह में बकरीद की नमाज का विशेष इंतजाम किया गया है। बैठक में मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीकी, मौलाना मोहम्मद मुश्ताक, मौलाना सुफयान निजामी, मौलाना अब्दुल लतीफ, मौलाना अब्दुल मुगीस, मुनीब अलवी, खालिद उमर, शेख राशिद अली मीनाई, अदनान शाहिद खां, मोहम्मद कलीम खां, फैज खालिद और मोहम्मद एजाज आदि मौजूद रहे। यहां रहेगी रोकः– सीतापुर रोड की तरफ से डालीगंज रेलवे क्रासिग तिराहे की तरफ से पक्के पुल की ओर।– पक्का पुल खदरा साईड तिराहा से पक्कापुल (टीले वाली मस्जिद) की ओर।– हरदोई रोडध्बालागंज की तरफ से बडेद्द वाहनध्रोडवेज सिटी बसें बड़ा इमामबाड़ा या टीले वाली मस्जिद के तरफ। – कोनेश्वर चौराहे से घण्टाघर होकर बडा इमामबाडा की तरफ। – नीबू पार्क (रूमीगेट पुलिस चौकी) चौराहा से बड़ा इमामबाड़ा व टीले वाली मस्जिद की ओर। – नीबू पार्क ओवरब्रिज से उतरने वाले वाहन रूमी गेट की तरफ। – चौक चौराहे की तरफ से नीबू पार्क चौराहे की ओर। – मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहे की तरफ से फूलमण्डी, खुन–खुन जी गर्ल्स कालेज होकर नीबू पार्क चौराहे की ओर। – शाहमीना तिराहे से पक्कापुल टीले वाली मस्जिद की ओर। – डालीगंज पुल से सीतापुर रोड की ओर जाने वाले रोडवेज बस, जीप, कार, स्कूटर, मोटर साईकिल पक्का पुल की ओर। – शाहमीना तिराहे से कैसरबाग की ओर से हरदोई रोड की ओर जाने वाले रोडवेज, सिटी बस पक्का पुल की तरफ नही जा सकेंगे। – एवरेडी तिराहे से मिल एरिया की ओर कोई भी बडेद्द वाहनध कार्मिशियल वाहन नही जा सकेंगे। – नाका से ऐशबाग की ओर (नमाज में सम्मिलित होने वाले वाहनों के अतिरिक्त) कोई भी वाहन नही जाने

दिया जाएगा। – यहियागंज वाटर वर्क्स रोड की ओर से ऐशबाग ईदगाह की ओर (नमाज में सम्मिलित होने वाले वाहनों के अतिरिक्त) नहीं जा सकेंगे। – रकाबगंज पुल चौराहे से नक्खासध्द यहियागंज नही जा सकेगा। – ऐशबाग पुल के नीचे नाका की तरफ से ऐशबाग ओवरब्रिज, पुलिस चौकी होकर ईदगाह की ओर। – राजेन्द्र नगर चौराहे से ऐशबाग ओवरब्रिज की ओर होते हुए ईदगाह की ओर। – बाबूलाल हलवाई व मास्टर कन्हैया लाल रोड से ईदगाह की ओर कोई वाहन नहीं जा सकेंगे। – डालीगंज रेलवे क्रासिंग ओवरब्रिज से बांये मुड़कर चौराहा नं. ८ निरालानगर से आईटी होकर। – पक्का पुल से पहले तिराहे से बन्धा रोड या नया पक्कापुल होकर। – कोनेश्वर चौराहे से दाहिने चौक चौराहा, मेडिकल कालेज चौराहा होकर। – कोनेश्वर चौराहे से चौक चौराहा, मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहा, शाहमीना तिराहा या नीबू पार्क (रूमीगेट पुलिस चौकी), नया पुल होकर। – कोनेश्वर चौराहा या नीबू पार्क के पीछे नया पुल होकर। – चौक चौराहा, ठाकुरगंज होकर अथवा चरक चौराहा होकर। – कोनेश्वर चौराहा या मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहा होकर। – मेडिकल कालेज चौराहा, चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर । – मेडिकल कालेज, डालीगंज पुल, इक्का टांगा से दाहिने नदवा बंधा होते हुए हनुमान सेतु तिराहा से आईटी चौराहा होकर। – इक्का टांगा से दाहिने नदवा बंधा होते हुए हनुमान सेतु तिराहा से आईटी चौराहा, कपूरथला, पुरनिया होकर। – शाहमीना तिराहे से बांये मेडिकल कालेज चौराहा, चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर। – मवैया ओवरब्रिजध्लगडा फाटक ओवरब्रिज, राजाजीपुरम् होकर। – रकाबगंज पुलध्नत्था तिराहा, मवैया होकर। – यहियागंज तिराहा से नक्खास तिराहा होकर। – नाकाध्द मेडिकल कालेज होकर। – पुल के नीचे से ही वापस मोतीनगर होकर। – मोतीनगर होते हुए जा सकेंगे। – बाबूलाल हलवाई चौराहा से होकर। यहां रहेगी सिर्फ नमाज पढ़ने वालों की अनुमतिः – मिल एरिया से बुलाकी अड्डा की तरफ तुलसीदास मार्ग पर नमाज में सम्मिलित होने वालों को जाने की अनुमति रहेगी। – बुलाकी अड्डा तिराहे से लाल माधव (हैदरगंज) की ओर यातायात (नमाज में सम्मिलित होने वाले वाहनों के अतिरिक्त) कोई भी वाहन नही जाने दिया जाएगा। – लाल माधव तिराहा (हैदरगंज) से ईदगाह की तरफ (नमाज में सम्मिलित होने वाले वाहनों के अतिरिक्त) कोई भी वाहन नही जाने दिया जाएगा।। – यहियागंज से ईदगाह ऐशबाग की तरफ (नमाज में सम्मिलित होने वाले वाहनों के अतिरिक्त) कोई भी वाहन नही जाने दिया जाएगा।। – गूगां–बहरा व रस्तोगी इण्टर कालेज (कपूर मोर्टस) तिराहे की ओर से कोई वाहन ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा।– पीली कालोनी के अन्दर से कई मार्ग ऐशबाग ईदगाह की ओर आते है, कोई भी यातायात इस मार्ग पर आने नहीं दिया जाएगा।। – एसएन मिश्रा द्वार तिराहे से ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा। – मोतीझील कालोनी से ऐशबाग ईदगाह की ओर कोई वाहन नहीं जा सकेगा। – अन्जुमन चौराहा से ऐशबाग ईदगाह की ओर कोई वाहन नहीं आ सकेगा।

खरीफ-२०२६ में ३०२.६२ लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य, कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में बोले सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खरीफ–२०२६ की तैयारियां समय से पूरी करने और किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक व तकनीकी सहायता

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक, फसल विविधीकरण और पारदर्शी व्यवस्था के जरिए किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जाए। मुख्यमंत्री ने बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए दलहन, तिलहन और श्रीअन्न की खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए अग्रिम कार्ययोजना तैयार रखी जाए और आवश्यकता पड़ने पर किसानों को वैकल्पिक फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर कृषि विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित करने का सुझाव भी दिया। बैठक में बताया गया कि खरीफ–२०२६ के लिए ११०.६५ लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल और ३०२.६२ लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य तय किया गया है। धान उत्पादन का लक्ष्य २२४.२५ लाख मीट्रिक टन रखा गया है। वहीं २.२६ लाख क्विंटल बीज वितरण के लक्ष्य के सापेक्ष २४ मई तक १.२६ लाख क्विंटल बीज उपलब्ध कराया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों तक टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया, दूरदर्शन और आकाशवाणी जैसे माध्यमों से तकनीकी जानकारी पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि जून से सभी विकास खंडों में साप्ताहिक चौपालों के साथ किसान मेले भी लगाए जाएं, ताकि किसानों को योजनाओं और आधुनिक खेती की जानकारी एक साथ मिल सके। बैठक में बताया गया कि एग्रीस्टैक योजना के तहत २४ मई २०२६ तक प्रदेश में २.२६ करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी की जा चुकी है। किसान पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से भी पंजीकरण की सुविधा दी गई है। सरकार का लक्ष्य कृषि योजनाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है, ताकि किसानों को सीधे लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए जमाखोरी, कालाबाजारी और डायवर्जन रोकने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि २४ मई तक प्रदेश में ३६.४४ लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध रहे। उर्वरक प्रवर्तन अभियान के तहत ४०२५ छापे डाले गए, ८१ लाइसेंस निलंबित किए गए और ६ एफआईआर दर्ज कराई गईं। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड सहित जल संकट वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष २०२५–२६ में २३,५०० हेक्टेयर क्षेत्र में रसायन मुक्त खेती की गई और २१,६३४ किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं वर्ष २०२७–२८ तक मक्का उत्पादन ३२.८४ लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सांसद रवि किशन की छवि खराब करने का मामला चर्चा में, इन तीन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एफआईआर

गोरखपुर। सांसद रवि किशन, वैसे तो खुद अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में छाए रहते हैं। लेकिन इस बार उनकी छवि खराब करने का मामला चर्चा में है। गोरखपुर के तीन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर ऐसा आरोप लगा है। सांसद के निजी सचिव की शिकायत पर पुलिस तीनों अकाउंट्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। इन सोशल मीडिया अकाउंट्स संचालकों पर आरोप है कि वह साजिशन और जानबूझकर सांसद की छवि बिगाड़ने पर तुले हैं। इसी कारण भ्रामक कंटेंट चला रहे हैं। बाकायदा सांसद के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। इस उद्देश्य के साथ कि जनता में सांसद को लेकर गलत संदेश आम हो जाए। सांसद के निजी सचिव शिवम द्विवेदी ने गोरखपुर वाले मिश्रा जी, लकी टॉक और एस संध्या नाम के सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सामाजिक सौहार्द से भी खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए तीनों अकाउंट संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई गई है। –सांसद के निजी सचिव ने अपनी शिकायत में कहा कि इन सोशल मीडिया अकाउंट्स

से जो चीजें प्रसारित की जा रही हैं। उससे समर्थकों की जनभावनाएं आहत हुईं। एक अभियान के रूप में ऐसी चीजें की जा रही हैं, जिससे सांसद की छवि खराब की जा सके। गोरखपुर के राम गढ़ताल थाने में शिकायत की गई है। थाना प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक तहरीर मिली है। उसी के आधार पर तीनों सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में मिलने वाली है भीषण गर्मी से निजात, इस दिन मेघा बरसने के आसार

लखनऊ। प्रचंड गर्मी और लू के थपेड़ों का सामना कर रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को २८ मई से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने २६ और २७ मई के लिए कई जिलों में रेड वार्निंग जारी की है। हालांकि २८ मई से मौसम करवट लेगा और तेज आंधी, बारिश तथा गरज–चमक के चलते तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना जताई गई है। इसके बाद २६ मई से प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। पश्चिमी और दक्षिणी उत्तर प्रदेश में गर्म एवं शुष्क पछुआ हवाओं के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है। अगले ४८ घंटों तक दिन में भीषण लू और रात में भी गर्मी बनी रहेगी। २६ और २७ मई को बांदा, आगरा, जालौन, हमीरपुर, महोबा और झांसी में भीषण लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं मथुरा, हाथरस और फिरोजाबाद भी गंभीर गर्मी की चपेट में रहेंगे। कानपुर नगर, कानपुर देहात, प्रयागराज, मेरठ, अलीगढ़, इटावा, औरैया समेत कई जिलों में भी लू का प्रभाव बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार २८ मई से पश्चिमी विक्षोभ और पुरवा हवाओं के असर से प्रदेश में मौसम बदलना शुरू होगा। कई जिलों में तेज आंधी, गरज–चमक और बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। २८ और २६ मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में ६० से ७० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनके झोंके ८० किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी ५० से ७० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। २६ और ३० मई को रायबरेली, लखनऊ, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और आसपास के जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और तेज आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लेने, हल्के सूती कपड़े पहनने तथा जरूरत न होने पर घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। आंधी और बिजली चमकने के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े न होने और इलेक्ट्र निक उपकरणों को अनप्लग रखने की भी अपील की गई है। तेज गर्मी, आंधी और ओलावृष्टि का असर फसलों पर भी पड़ सकता है। मौसम विभाग ने किसानों को हल्की सिंचाई, खेतों में नमी बनाए रखने और फसलों को तेज हवाओं से बचाने के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

यूपी का स्थायी डीजीपी, यूपीएससी की बैठक में तीन अफसरों के नाम पर मंथन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को चार साल बाद स्थायी पुलिस महानिदेशक, डीजीपी मिलने जा रहा है। दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग UPSC की दिल्ली में बैठक होनी है। यूपी के मुख्य सचिव और गृह सचिव दिल्ली पहुंच गए हैं। यूपी डीजीपी को लेकर तीन नाम चर्चा में हैं। माना तो यही जा रहा है कि वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्णा स्थायी डीजीपी बन सकते हैं। पी डीजीपी को लेकर जिन तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम पर मंथन होगा, उनमें कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्णा का नाम सबसे आगे है।

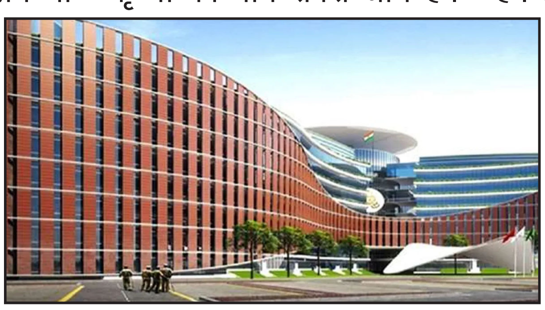

राजीव कृष्णा के अलावा, आईपीएस पीयूष आनंद और आईपीएस रेणुका मिश्रा का नाम शामिल है। तीन अफसरों में से एक के नाम पर मुहर लग सकती है। यूपी में वर्ष २०२२ से स्थायी डीजीपी नहीं है। कार्यवाहक डीजीपी के जरिये काम चल रहा है। इस पर विपक्ष भी सरकार की घेराबंदी करता रहता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव अक्सर डीजीपी को लेकर तंज कसते रहते हैं। दिल्ली में यूपीएससी की जो बैठक होगी, उसमें पूर्णकालिक डीजीपी के नाम पर चर्चा की जाएगी। माना तो यही जा रहा कि इसी बैठक में डीजीपी का चयन हो सकता है। डीजीपी का चयन के लिए वरिष्ठता, प्रशासनिक क्षमता, अनुभव जैसे पैरामीटर्स पर अफसरों को परखा जाएगा।

मस्जिद–कब्रिस्तान को बताया 'महाराजा कंस पासी का किला', CM योगी से की जांच की मांग

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के मलीहाबाद क्षेत्र में एक मस्जिद और कब्रिस्तान को लेकर नया विवाद गरमा गया है। यहां पासी समाज ने एक विवादित स्थल पर अपना ऐतिहासिक दावा ठोक दिया है। समाज का कहना है कि यह स्थान प्राचीन काल में उनके गौरवशाली शासक महाराजा कंस पासी का किला था, जो उनकी गहरी आस्था और समृद्ध इतिहास से जुड़ा हुआ है। वही इसको लेकर पासी

समाज के प्रमुख नेता सूरज पासी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजा है। सूरज पासी का दावा है कि स्थानीय बुजुर्गों और इतिहास के अनुसार, यह स्थान वर्षों पहले एक प्राचीन किले और पूजनीय धार्मिक स्थल के रूप में विख्यात था, जहां नियमित रूप से पूजा–अर्चना की जाती थी। जिसमे मुख्यमंत्री से इस पूरे स्थल की ऐतिहासिक और पुरातात्विक जांच कराने तथा इसके पुनर्जीवन की मांग की है।

सपा सरकार में बिजली के तारों पर कपड़े सुखाए जाते थे, ऐसे लोग आज सवाल उठा रहे–सीएम योगी

लखनऊ। यूपी में बिजली कटौती से मचे हाहाकार के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दल, समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लिया है। सीएम ने कहा कि ऊर्जा संकट पर वो लोग सवाल उठा रहे हैं, जिनके समय में लोग बिजली के तारों पर कपड़े सुखाया करते थे। सपा सरकार में बिजली नहीं आती थी। यही सच्चाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय क्या होता था, पता है? एक सप्ताह रात में बिजली आती थी तो दूसरे सप्ताह दिन में। दिनरात भरपूर बिजली कभी नहीं मिली। लेकिन आज तो पूरी बिजली दी जा रही है। सीएम ने कहा कि अब पावर शट डाउन हो रहा है और देश में कहीं पावर है नहीं तो उसके लिए विभाग को मौका देना चाहिए। विद्युत विभाग पना काम कर रहा है। मैंने समीक्षा बैठक की है। आज जो ऊर्जा संकट उत्पन्न हो रहा है, इसके लिए केवल पावर कारपोरेशन जिम्मेदार नहीं है। बल्कि हर एक नागरिक की

जिम्मेदारी बनती है कि वह पावर क रपोरेशन के साथ खड़ा हो। संकट का सामना करने में उनका सहयोग करें। नागरिक दायित्व भी यही बनता है। दरअसल, यूपी में पारा चढ़ने के साथ बिजली व्यवस्था ढीली पड़ती जा रही है। राजधानी लखनऊ से लेकर पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी तक भयंकर बिजली कटौती बनी है। बरेली में तो राज्य सरकार में वन मंत्री ड. अरुण कुमार को ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर शिकायत करनी पड़ गई। कई जगहों पर लोग सड़कों पर उतरकर आक्रोश जाहिर करते नजर आए। बिजली कटौती से आमजन की नाराजगी के बीच समाजवादी पार्टी लगातार सरकार पर हमलावर है। एक दिन पहले ही अखिलेश यादव ने ऊर्जा मंत्री के साथ सरकार और भाजपा की अंदरूनी राजनीति पर तीखे कटाक्ष किए थे। उन्होंने बिजली व्यवस्था को महाविद्युत आपदा तक बोल दिया था। इसी पर मुख्यमंत्री का पलटवार सामने आया है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा संकट के बीच जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें आम लोगों से भी सहयोग की अपेक्षा जताई है।

जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति : डीएम अंजनी कुमार सिंह ने ली मासिक समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर बुध्वार शाम अटल सभागार में डीएम अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा कर संबंधित अध्किारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक का संचालन मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम अंजनी कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि विद्यालयों की शैक्षिक एवं भौतिक गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अध्किारियों को निर्देश दिए कि अवशेष विद्यालयों में नियमित फ लोअप कर शीघ्र विद्युतीकरण कराया जाए तथा सभी स्कूलों को फर्नीचर से सुसज्जित करने के लक्ष्य पर तेजी से कार्य किया जाए। डीएम ने जनपद में नामांकन की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिले ने बड़े लक्ष्य को तेजी से हासिल किया है और ड्रॉप आउट रेट भी न्यूनतम है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अगस्त माह में वह स्वयं परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के अधिगम स्तर की जांच करेंगे। इसके लिए प्रश्न पत्र बच्चों की पुस्तकों से ही तैयार कराया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केवल इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार पर्याप्त नहीं है, बल्कि पठन–पाठन का स्तर भी इतना उत्कृष्ट होना चाहिए कि विद्यालयों में प्रवेश के लिए प्रतिस्पध्र्ाा की स्थिति बने। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि निपुण भारत अभियान में गुणवत्ता पर विशेष फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में नामांकन की स्थिति अच्छी है, अब बच्चों के अधिगम स्तर और पठन–पाठन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों से विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में एसएमसी गठन, प्रेरणा पोर्टल पर अपलोडिंग, केजीबीवी में निर्माण कार्यों की प्रगति, डीबीटी म डल, स्कूल चलो अभियान, निपुण भारत, अ परेशन कायाकल्प के १६ पैरामीटर्स, शिक्षकों के प्रशिक्षण, डीटीएफ–बीटीएफ निरीक्षण, दिव्यांग बच्चों की ट्रैकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई और जरूरी निर्देश दिए। बैठक में बीएसए प्रवीण तिवारी ने कहा कि आज की बैठक में जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका उनके स्तर से या उनकी टीम द्वारा पूर्णतया अनुपालन किया जाएगा। बैठक में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह, सभी बीईओ मौजूद रहे। वही सभी बीडीओ वर्चुअल शामिल रहे। 'नामांकन अभियान में उत्ेष्ट कार्य करने वालों को डीएम–सीडीओ ने किया सम्मानित' डीएम अंजनी कुमार सिंह एवं सीडीओ अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित। प्रवक्ता अनुज कुमार, बीईओ मोहम्मदी शशांक सिंह, बीईओ कुंभी श्रीराम एवं प्रधानाचार्य वीरेश चंद्र बाजपेई को कक्षा ०८ के सापेक्ष कक्षा ०६ में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि एवं दायित्वों के प्रभावी निष्पादन हेतु सम्मानित किया गया।

कानपुर में परीक्षा केंद्र पर धांधली का आरोप, नाराज अभ्यर्थियों ने जाम किया हाईवे, जानें पूरा मामला

कानपुर। SSC GD कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान कानपुर के सरसौल थाना क्षेत्र स्थित एक अ नलाइन परीक्षा केंद्र पर बड़ा हंगामा हो गया। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र पर कुछ चुनिंदा अभ्यर्थियों को निध्र्ाारित समय से पहले ही प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिया गया। परीक्षा केंद्र पर गंभीर धांधली के आरोप के बाद नाराज छात्रों ने परीक्षा केंद्र के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। अभ्यर्थियों और उनके परिजनों का कहना है कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही कुछ लोगों को पेपर दे दिया गया, जिसे उन्होंने पेपर लीक का प्रयास बताया। जैसे ही यह जानकारी बाहर पहुंची, छात्रों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने केंद्र के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी। गुस्साए अभ्यर्थियों ने मुख्य हाईवे को ब्लॉक कर दिया, जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो गया। छात्रों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषी केंद्र संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए हैं। अधिकारी छात्रों को शांत कराने और जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभ्यर्थी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल को दी श्रद्धांजलि

लखीमपुर खीरी।' ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की लखीमपुर जिला इकाई द्वारा मंगलवार को नगर पालिका परिषद सभागार में संगठन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी की ३६वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने की। 'चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलिरू' कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सभी पत्रकारों ने बाबू बालेश्वर लाल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद ष्आज के परिवेश में पत्रकारिताष् विषय पर गोष्ठी हुई। 'प्रशासन–पत्रकारिता में सामंजस्य पर चचार्रु' मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एनके मिश्र ने वर्तमान में प्रशासन और पत्रकारिता के बीच सामंजस्य को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पत्रकारों के सम्मान का मुद्दा भी उठाया। 'खबरों में सच्चाई की बातरू' आज तक के जिला संवाददाता अभिषेक वर्मा, न्यूज १८ के मनोज शर्मा, खबर फास्ट के अमीर रजा, वरिष्ठ पत्रकार सरदार राजेंद्र सिंह, पीटीआई के नैमिष वर्मा, एबीपी न्यूज के नवीन अवस्थी व जिला उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने भी विचार रखे। सभी ने खबरों को सच्चाई से प्रकाशित करने पर जोर दिया। '५० साल से ग्रामीण पत्रकारों के लिए संघषरु' जिला अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने

कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन पिछले ५० वर्षों से ग्रामीण पत्रकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। जन समस्याओं को समाचार के माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचाना पत्रकार का कर्तव्य है, ताकि जनता की आवाज शासन–प्रशासन तक पहुंचे और समाधान हो सके। 'दो मिनट का मौनरू' कार्यक्रम के समापन पर दो मिनट का मौन रखकर बाबू बालेश्वर लाल जी को नमन किया गया। इस अवसर पर अनुज मिश्रा, अजय मिश्रा, देवेश पांडेय, हिमांशु श्रीवास्तव अंकित, अशोक शुक्ला, सुशील गुप्ता, लोकेन्द्र प्रताप सिंह, चंद्रशेखर शुक्ला, पवन मिश्रा, उमंग गुप्ता, सुनील कुमार सोनी, रामजी सिंह, कमल पांडेय, विकास गुप्ता, राहुल सिंह, शोएब खान, शाहिद, प्रीति, मुनेन्द्र वर्मा, नितेश गुप्ता, आनंद तिवारी समेत बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

डीएम अंजनी कुमार सिंह की दो टूक, सीएम कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में लापरवाही पर कार्रवाई तय, पात्रों को हर हाल में मिले लाभ

लखीमपुर खीरी। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' में प्राप्त दावे की विस्तृत समीक्षा की, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह मौजूद रहे। वही अन्य एसडीएम वर्चुअल शामिल हुए। डीएम ने तहसीलवार दावों की स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों से सीधे सवाल–जवाब किए और स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन परिवारों की आजीविका कृषि या खेतिहर मजदूरी पर आधारित है और जिनकी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, उनके आश्रितों को इस योजना का लाभ हर हाल में मिले। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि यह शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील योजना है, जिसका उद्देश्य किसानों और खेतिहर मजदूरों के परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

इसलिए एक भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने तहसील से प्राप्त रिपोर्ट की भी विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी एसडीएम नियमित मॉनिटरिंग करें तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

यूपी में २८ मई को ईद–उल–अजहा का अवकाश घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ईद–उल–अजहा (बकरीद) का अवकाश २७ मई से बदलकर अब २८ मई घोषित कर दिया गया है। कैलेंडर में २७ मई का अवकाश था। चूंकि ईद चांद के आधार पर मनाई जाती है। भारत में इस बार २८ मई को ईद–उल–अजहा मनाई जाएगी। इसलिए शासन ने २७ मई का पूर्व निर्धारित अवकाश परिवर्तित करके, २८ मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है। ईद–उल–अजहा को लेकर शासन और प्रशासन के स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अभ्यास जारी है। जिलों से लेकर तहसील स्तर तक, स्थानीय अधिकारी सर्व समाज के संभ्रांत और जिम्मेदार नागरिकों के साथ बैठकें कर रहे हैं। शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का संदेश भी दे रहे हैं। कुर्बानी को लेकर शासन की गाइडलाइन पर अमल करने का विशेष जोर दिया जा रहा है। स्पष्ट संदेश के साथ कि कुर्बानी को लेकर जारी दिशा–निर्देशों का पालन करेंगे। मुस्लिम समाज के संगठन भी इस संदर्भ में जागरुकता अभियान छेड़े हैं। ये बताने के लिए कि कुर्बानी बंद जगहों पर करें। शासन से जिन पशुओं की कुर्बानी की अनुमति है, उन्हीं को कुर्बान किया जाए। कुर्बानी के बाद पशुओं के अवशेष गड्ढे में दबा दें। सड़क, नाली या खुले में बिल्कुल भी न फेंका जाए। बरेली में दरगाह आला हजरत से लेकर दरगाह ताजुश्शरिया और दूसरे तमाम सामाजिक और धार्मिक संगठन भी कुर्बानी के सिलसिले में जागरुकता अभियान छेड़े हैं।

भाजपा में नहीं रहा करेंट, चुनाव में जनता उसे अच्छे से धो–पटककर सुखा देगीः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि अगले चुनाव में जनता उसे अच्छे से

धो–पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक श्एक्सश् अकाउंट पर पोस्ट किया, ष्अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो–पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।' इसी पोस्ट में उन्होंने राज्य में बिजली संकट को लेकर मुख्यमंत्री को असफल बताते हुए उन पर तंज कसा। अखिलेश ने लिखा, 'शुक्र है कि उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने यह नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है।' उन्होंने आगे सवाल उठाया, 'यह स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए। जनता को आपकी 'आपसी गर्मी' से तो राहत मिल जाएगी, क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एक साथ देखा नहीं।' अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा राज में बिजली के सब–स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक–सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करेंट नहीं रहा।

अमेठी में पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के आवास पर हमला

अमेठी। गायत्री प्रसाद प्रजापति के अमेठी स्थित आवास पर मंगलवार को लगभग ८ बजे दर्जन भर नकाबपोश लोगों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि विवाद की वजह सोशल मीडिया पर की गई एक अभद्र टिप्पणी बनी, जिसके बाद मामला बढ़ गया। जानकारी के अनुसार, अमेठी की सपा विधायक महाराजी प्रजापति के एक कार्यकर्ता द्वारा सोशल मीडिया पर स्थानीय सपा नेता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इसी बात से नाराज कुछ लोग कार्यकर्ता की तलाश करते हुए आवास विकास

कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नकाबपोश युवकों ने आवास पर जमकर हंगामा और उत्पात किया। घटना से इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।यह पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र की आवास विकास कलोनी का बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रुद्राक्ष की माला और माथे पर चंदन लगाए बद्रीनाथ धाम पहुंचे कैलाश खेर

मुम्बई। मशहूर गायक कैलाश खेर इन दिनों अपनी धार्मिक यात्राओं को लेकर चर्चा में हैं। कुछ समय पहले उन्होंने केदारनाथ धाम में भगवान शिव के दर्शन किए थे और अब वह बद्रीनाथ धाम पहुंचकर भगवान विष्णु का आशीर्वाद लेते नजर आए। उनकी इस यात्रा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। कैलाश खेर ने इंस्टाग्राम पर बद्रीनाथ यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने गले में रुद्राक्ष की माला पहन रखी है और माथे पर चंदन का तिलक लगाया हुआ है। बता दें कि ये दोनों चीजें भगवान शिव की भक्ति से जुड़ी मानी जाती हैं। तस्वीर के बैकग्राउंड में बर्फ से ढके पहाड़ नजर आ रहे हैं। चारों तरफ बर्फ और ऊंचे पहाड़ों का सुंदर नजारा नजर आ रहा है। कैलाश खेर ने अपनी पोस्ट के साथ कैप्शन में पहाड़ वाला इमोजी शेयर किया। फैंस ने इस पोस्ट पर खूब प्रतिक्रिया दी और कई लोगों ने इसे सुकून देने वाला बताया। इससे पहले कैलाश खेर केदारनाथ धाम पहुंचे थे। वहां उन्होंने भगवान शिव के दर्शन किए और मंदिर के सामने खड़े होकर अपना मशहूर भक्ति गीत 'बम लहरी' गाया था। उन्होंने इसका एक वीडियो भी साझा किया था। उस पोस्ट के साथ कैलाश खेर ने कैप्शन में लिखा था, 'महादेव का धाम, पूरे सारे काम। जय जय केदार।' केदारनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यह भारत के १२ ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता

है। वहीं, बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में स्थित ये दोनों मंदिर हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माने जाते हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कैलाश खेर हाल ही में अपने नए गाने 'जोगी' को लेकर भी चर्चा में रहे। यह गाना आदि शंकराचार्य को समर्पित है। इस गाने को लेकर उन्होंने कहा था कि सदियों से संतों और ऋषियों ने जिस आध्यात्मिक भावना को महसूस किया, वही भावना इस संगीत में भी है। आदि शंकराचार्य का संदेश आज भी लोगों को सच और धर्म के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है।

बतौर निर्माता कान्स फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं पूजा बत्रा

मुम्बई। अभिनेत्री पूजा बत्रा की बतौर निर्माता आगामी फिल्म 'इकोज ऑफ अस' को प्रतिष्ठित 'कान्स फिल्म फेस्टिवल २०२६' में प्रदर्शित किया गया। इस उपलब्धि पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में कान्स रेड कार्पेट पर उनकी खूबसूरत और ग्लैमरस झलकियां देखने को मिली। तस्वीरें शेयर करने के साथ ही उन्होंने अपनी पूरी टीम का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, "कान्स फिल्म फेस्टिवल यानी 'के–ए–एन', क्योंकि हम कर सकते हैं। मैं वहां अपनी फिल्म 'इकोज ऑफ अस' और उसकी स्टारकास्ट के साथ एक निर्माता के तौर पर शामिल हुई थी। इस सफर में कई शानदार यादें बनीं, कुछ बहुत ही बेहतरीन लोगों से मुलाकात हुई और मशहूर कान्स रेड कार्पेट पर मुझे अपने १५ सेकंड का वह खास और यादगार पल जीने का मौका मिला। अभिनेत्री ने आगे लिखा बहुत कुछ सीखने को मिला। अब अगली बार और बेहतर अंदाज में वापसी करने का समय है। पूजा की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। उनके प्रशंसक इस उपलब्धि पर जमकर तारीफ कर रहे हैं। 'इकोज ऑफ अस' एक बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म है, जो वैश्विक स्तर पर फिल्म समारोहों (फिल्म फेस्टिवल्स) में सराही गई है। इसमें यूलिया वंतूर (जिनका यह अभिनय डेब्यू है), सीनियर अभिनेता दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरेडिज ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म प्रेम–विरह और मानवीय संबंधों पर आधारित है, जिसे उन्होंने अपने लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन

हाउस 'ग्लोबेलिंक' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन जो राजन द्वारा किया गया है और इसे अभिनेत्री पूजा बत्रा ने एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। कान्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहना मिलने के बाद अब यह फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। २०–मिनट की इस इमोशनल ड्रामा ने ८० से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर वैश्विक स्तर पर नाम कमाया है। इसमें दीपक तिजोरी ने बेस्ट एक्टर और यूलिया वंतूर ने बेस्ट एक्ट्रेस के कई पुरस्कार जीते हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक